

## छत्तीसगढ़ के बॉक्साइट भंडार का भू-तकनीकी मूल्यांकन परियोजना के लिये हुआ एमओयू चर्चा में क्यों?

11 मई, 2022 को छत्तीसगढ़ वजिज्ञान और प्रौद्योगिकी परषिद (सीकॉस्ट), रायपुर एवं जवाहरलाल नेहरू एल्यूमीनियम अनुसंधान, विकास और अभिकल्प केंद्र (जेएनएआरडीडीसी) खनजि मंत्रालय, भारत सरकार के बीच 'छत्तीसगढ़ के बॉक्साइट भंडार के भू-तकनीकी मूल्यांकन' परियोजना हेतु एमओयू हस्ताक्षरित हुआ।

### प्रमुख बढि

- इस एमओयू पर छत्तीसगढ़ वजिज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परषिद और रीजनल वजिज्ञान केंद्र के महानदिशक डॉ. एस. कर्मकार और जेएनएआरडीडीसी के नदिशक डॉ. अनुपम अग्नहिोत्री ने हस्ताक्षर कयि।
- एमओयू के तहत दोनों संस्थान अंतरकिष प्रौद्योगिकी की मदद से छत्तीसगढ़ में स्थति बॉक्साइट और लैटेराइट भंडार के भू-तकनीकी मूल्यांकन और भू-संदर्भति मानचित्रों का उपयोग कर लैटेराइट और बॉक्साइट भंडारण का ज़लिवार डजिटिल डेटाबेस तैयार करेंगे।
- अच्छे ग्रेड के कच्चे अयस्क (बॉक्साइट) की कमी का सामना कर रहे एल्यूमिनियम उद्योग और वभिन्न रूपों और प्रकरियाओं में एल्यूमिनियम का उपयोग करने वाले बॉक्साइट खनकि और उद्योगों के लिये यह परियोजना काफी उपयोगी होगी।
- इसका लाभ बॉक्साइट और लैटेराइट अयस्कों का कार्य कर रहे उद्यमियों के अलावा छत्तीसगढ़ और मध्य भारत में स्थति मौजूदा खान मालकिों और बॉक्साइट उद्योगों को भी मलिगा।
- राज्य के नए उद्यमी रमिोट सेंसगि एवं जीआईएस से प्राप्त डेटाबेस का उपयोग कसिी भी वदियमान खनजि, एल्यूमिनियम उद्योग में कयि जा सकता है।